CONSULTATION WORKSHOP FOR MEDIA PERSONNEL ON ROLE OF MEDIA IN BIODIVERSITY CONSERVATION OF THE GANGA RIVER ON 28TH JANUARY, 2019 AT NARORA, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH

DETAILED REPORT

The WII-NMCG project "Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation" has organized a "Consultative workshop for the Media personnel's on "Role of media in biodiversity conservation of the Ganga River" on 28th January, 2019 at Uday Prabhat Guest House**,** Narora, Bulandshahr, UP. The objective is to highlight the important role played by Media personnel in generating public awareness across the largest audience about biodiversity conservation to educate and to spread the activities carried out by WII-NMCG. A total of 14 media personnel, two professors and 3 *Ganga praharis* attended the workshop. The WII team included Dr. Sangeeta Angom, Mrs. Hemlata Khanduri, Ms. Monika Mehralu, Ms. Mansi Bijalwan, and Dr. Shailendra Kumar Singh, trained professor of WII-NMCG, DPBS (PG) College, Anupshahr, Bulandshahr, UP.

PROGRAMME SCHEDULE

28th January 2019	**Session I**	**Resource persons**
1000-1030	Registration and Pre-Training assessment	Ms. Monika Mehralu
1030-1040	Welcome address	Dr. Sangeeta Angom
1040-1130	NMCG-WII project "Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation" – An Overview	Dr. Sangeeta angom
1130-1215	Role of Teachers in Biodiversity Conservation of Ganga River	Dr. Shailendra Kumar Singh
1215-1300	Role of *Ganga Praharis* in Biodiversity Conservation of Ganga River	Mr. Prashant & Mr. Naresh Kumar

1300-1400	**Lunch**	
	Session II	
1400-1430	Documentaries Episodes I & II	
1430- 1500	Group Discussion with Media Personnel	
1400-1500	Post-Training Assessment and Feedback	Ms. Hemlata Khanduri & Ms. Monika Mehralu
15:00-16:00	Distribution of Certificates	Dr. Sangeeta Angom & Dr. Shailendra Kumar Singh
16:00-16:15	Vote of Thanks	Dr. Sangeeta angom

PHOTO GALLERY

MEDIA COVERAGE

जैव विविधता संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

अमर भारती संवाददाता

अनूपशहर। सोमवार को नरौरा स्थित उदय प्रभात अतिथि गृह में भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून द्वारा जैव विविधता संरक्षण एवं गंगा जीर्णोद्धार विषय पर मीडिया कर्मियों हेतु एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में संस्थान की वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ संगीता एंगाम ने नमामि गंगे के अंतर्गत वन्यजीव संस्थान द्वारा गंगा जीर्णोद्धार पर भारत वर्ष में की जा रहे विभिन्न प्रयासों को विस्तार पूर्वक बताया तथा गंगा नदी के उद्गम से लेकर गंगासागर तक के भौतिक स्वरूप एवं जैव विविधता का वर्णन किया। रिसोर्स पर्सन के रूप में डीपीबीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूपशहर के डा0 शैलेंद्र कुमार सिंह

ने गंगा की जैव विविधता में हो रही कमी के विभिन्न कारणों पर चर्चा करते हुए पत्रकार बंधुओं को जैव विविधता संरक्षण को बताया तथा उनके साथ विचार-विमर्श कर सुझाव मांगे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की ओर से आमंत्रित पत्रकार बंधुओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इको डेवलपमेंट ऑफिसर हेमलता कु0 मानसी, अश्वनी भारद्वाज, राजीव शर्मा, अनुराग अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, विनोद शर्मा, किशोरी लाल, रविंदर इंसा, चेतन माहेश्वरी, अखिलेश कुमार, सत्येंद्र भारद्वाज, ज्ञान प्रकाश बजाज, संदीप वार्ष्णेय आदि पत्रकारों सहित शीतल, सीमा, प्रशांत क्षमा शर्मा, अभिषेक अनेको गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारतीय वन्य जीव संस्थान ने बताई गंगा नदी में जलीय जीव जन्तुओं की हालात

पत्रकारों को जानकारी देती डा. संगीता अन्गम

डिबाई। भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून की ओर से एक पत्रकार कार्यशाला का आयोजन नरौरा के उदयप्रभात गेस्ट हाउस में किया गया जिसमें इस संस्थान के द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम में जीव जन्तु की गंगा नदी में उपलब्धता और उनको बचाने के लिये लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है इसकी जानकारी देते हुये ट्रेनर डा. संगीता अन्गम ने बताया कि हमारा यह संस्थान जलीय जीवों का डाटा एकत्र कर रहा है । और गंगा किनारे बसे गांवों शहरों के लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिसे हमारे गंगा प्रहरी यह कार्य कर रहे हैं । गंगा को यदि हम समय रहते नहीं चेते तो कौन बचायेगा जिसे हम मा कहते हैं और सारा कूड़ करकट हम उसी में डालें गन्दे नाले उसमें बहाये तो यह मा के साथ अन्याय नहीं है ? उन्होंने बताया कि देव प्रयाग से ऋषिकेश तक गंगा बहुत साफहै कानपुर के बाद ज्यादा मैली है हम जो जलीय जीवों पर कार्य कर रहे हैं उनसे यह पता चलता है कि घड़ियाल, ऊद बिलाव डाल्फिन, मछलिया कछुआ धीरे धीरे कम होते जा रहे हैं । इस कार्यशाला में डिबाई ,नरौरा, अनूपशहर के पत्रकारों को आमंत्रित किया गया था । कार्यशाला में यह प्रश्न भी उठा कि अत्यधिक बने बांध भी गंगा का पानी रोक रहे हैं जिससे इसके साफहोने में परेशानी आ रही है अवैध खनन मछुआरों के द्वारा मछली पकड़ना , शिकारियों द्वारा जीव जन्तुओं को मारना भी एक कारण है । हमें इन सब पर जागरूक होकर जनता को जागृत करना है कि जिसे हम मा कहते हैं मोक्ष दायनी कहते है उसे कम से कम अपने स्तर से गन्दा न करें । इस कार्याशाला में हेमलता खंडूरी ईको डवलपमैन्ट आफीसर,मोनिका महरालू सहायक ट्रेनिंग कोर्डीनेटर, मानसी विजलवान प्रोजैक्ट असिस्टैन्ट आदि मौजूद रहे ।

जलीय जीवों के संरक्षण की दी जानकारी

नरौरा। भारतीय वन्य जीव संस्थान के तत्वावधान में नगर में जैव विविधता संरक्षण एवं गंगा जीर्णोद्धार विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। वन्य जीव संस्थान देहरादून की वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. संगीता एंगोम ने समुचे देश में जलीय जीवों के संरक्षण एवं गंगा की निर्मलता के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया। रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रशिक्षण सहायक मोनिका मेहरालू आदि ने जानकारी दी। ब्यूरो

जैव विविधता संरक्षण व गंगा जीर्णोद्धार पर कार्यशाला

नरौरा। सोमवार को नरौरा स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यशाला रिसोर्स पर्सन व भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून की वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. संगीता एंगाम ने गंगा जीर्णोद्धार पर भारत में संस्थान द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों को विस्तार से बताया गया। डीपीबीएस पीजी कालेज अनूपशहर के डा. शैलेन्द्र कुमार सिंह ने गंगा की जैव विविधता में हो रही कमी के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला।